पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल जी ने बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा के नैक प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया

विश्वविद्यालय मूल्यांकन हेतु निर्धारित मापदंडों के छोटे–छोटे बिन्दुओं पर ध्यान दे

विश्वविद्यालय मेंटोर–मेंटी के माध्यम से छात्र–छात्रों की समस्याओं को दूर करें

विश्वविद्यालय समस्त डिग्रियों को डिजिटल लॉकर में शीघ्र अति शीघ्र अपलोड करायें

–श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 27 अक्टूबर, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के समक्ष आज राजभवन लखनऊ में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा ने अपनी नैक स्वमूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्यपाल जी ने प्रस्तुतीकरण के दौरान मूल्यांकन हेतु निर्धारित मापदंडों के ऐसे छोटे–छोटे बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित कराया, जहां विश्वविद्यालय अपने प्रयासों से स्तर में सुधार लाकर मूल्यांकन में वृद्धि कर सकते हैं। ज्ञातव्य है कि नैक मूल्यांकन सात श्रेणियों में होता है। अतः सभी श्रेणियों में सुधार कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए A++ श्रेणी प्राप्त करें।

कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय को अपनी गतिविधियां आनलाइन रखने, पुराने डेटा के संकलन को दुरूस्त करने, विद्यार्थियों से तालमेल बेहतर रखने, नवाचार बढ़ाने सम्बन्धी निर्देश दिए। उन्होंने कहा नैक के समक्ष डेटा

प्रस्तुतीकरण तथा उसकी टीम के भ्रमण से पूर्व विश्वविद्यालय में सभी आवश्यक परिवर्तन कर लिये जाएं।

राज्यपाल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा दें तथा इस कार्य में किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करें। राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान कार्यों तथा तैयार किये गये ब्रीडर सीड के माध्यम से किसानों के खेतों में प्रदर्शन करायें ऐसा करने से अधिक से अधिक किसान लाभान्वित होंगे तथा विश्वविद्यालय से भी जुड़ेगे।

विश्वविद्यालय की एक अन्य समीक्षा बैठक में राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि रिक्त पदों के लिए चल रही नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाये। उन्होंने निर्देश दिया कि भर्ती विज्ञापनों में स्पष्ट रूप से विज्ञापन में नियुक्ति प्रक्रिया की शर्तों का उल्लेख किया जाय। बैलेंस सीट एवं कैश बुक भी नियमित रूप से तैयार की जाय। इसके साथ ही विश्वविद्यालय समस्त डिग्रियों को डिजिटल लॉकर में शीघ्र अति शीघ्र अपलोड करायें। राजभवन उत्तर प्रदेश द्वारा परिकल्पित विश्वविद्यालय प्रबन्धन साफ्टवेयर पर विश्वविद्यालय अपनी सूचनाएं अपडेट करें। विश्वविद्यालय मेंटोर–मेंटी के माध्यम से छात्र–छात्रों की समस्याओं को दूर करें।

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नरेन्द्र प्रताप सिंह विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज एल. जॉनी तथा विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

————————

डॉ0 संगीता चौधरी / दिलशाद / राजभवन (71 / 29)
सम्पर्क सूत्र
9453005360

राजभवन उत्तर प्रदेश